

**Alive In Christ**

Hope From Above - (# 7)

**September 4, 2022**

**OPENING SCRIPTURE:** John 11:14-26

**KEY VERSE:** John 11:26

**TEXT:** 1 Corinthians 15:51-58

**KEY VERSE:** John 11:25

**John 11:25** Jesus said unto her, I am the resurrection, and the life: he that believeth in me, though he were dead, yet shall he live:

**Death has been defeated;  
therefore, we can live for God.**

1) \_\_\_\_\_ Is A Mystery.

2) \_\_\_\_\_ Can't Hurt Us.

3) \_\_\_\_\_ No Sting.

4) \_\_\_\_\_ Serving The Lord.

**Text:**  
**I Corinthians 15:51-58**

**Key Verse:**  
**John 11:25**

1

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jesus said unto her, I  
am the resurrection,  
and the life: he that  
believeth in me,  
though he were dead,  
yet shall he live:  
(John 11:25)**

**Key Verse:**

2

---

---

---

---

---

---

---

---

**Happy  
Labor Day**

3

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jesus went to hell,  
paying the price for all sin  
and defeating every demon  
and the devil himself.**

4

---

---

---

---

---

---

---

---

**Alive In Christ  
Hope From Above – (# 7)**

5

---

---

---

---

---

---

---

---

**Just before Jesus arose;  
He defeated Satan and  
took the keys  
of hell and death from him.**

6

---

---

---

---

---

---

---

---

**Death  
has been defeated;  
therefore,  
we can live  
for God.**

7

---

---

---

---

---

---

---

---

**1) The Rapture  
Is A Mystery.**

8

---

---

---

---

---

---

---

---

**Behold, I shew you a mystery;  
We shall not all sleep,  
but we shall all be changed,  
(1 Corinthians 15:51)**

9

---

---

---

---

---

---

---

---

**Wherefore comfort one another  
with these words.  
(1 Thessalonians 4:18)**

10

---

---

---

---

---

---

---

---

**What is the  
controversy over?  
The rapture of the church.**

11

---

---

---

---

---

---

---

---

**1 Thessalonians 4:16-18**

**References:**

12

---

---

---

---

---

---

---

---

**17 Now the Lord is that Spirit: and where the Spirit of the Lord *is*, there *is* liberty.**

**18 But we all, with open face beholding as in a glass the glory of the Lord, are changed into the same image from glory to glory, *even* as by the Spirit of the Lord.  
(2 Corinthians 3:17-18)**

13

---

---

---

---

---

---

---

---

**52 And the graves were opened; and many bodies of the saints which slept arose,**

**53 And came out of the graves after his resurrection, and went into the holy city, and appeared unto many.  
(Matthew 27:52-53)**

14

---

---

---

---

---

---

---

---

**Acts 1:9-11**

**References:**

15

---

---

---

---

---

---

---

---

**1) The Rapture  
Is A Mystery.**

**2) The Devil  
Can't Hurt Us.**

16

---

---

---

---

---

---

---

---

**So when this corruptible  
shall have put on incorruption,  
and this mortal shall have  
put on immortality,  
then shall be brought to pass  
the saying that is written,  
Death is swallowed up in victory.  
(1 Corinthians 15:54)**

17

---

---

---

---

---

---

---

---

**The devil can't hurt us  
or do anything to us, unless  
we give him authority,  
through our  
words or deeds.**

18

---

---

---

---

---

---

---

---

**Who concerning  
the truth have erred, saying that  
the resurrection is past already;  
and overthrow the faith of some.  
(2 Timothy 2:18)**

19

---

---

---

---

---

---

---

---

**The thief cometh not,  
but for to steal, and to kill,  
and to destroy: I am come  
that they might have life,  
and that they might have *it*  
more abundantly.  
(John 10:10)**

20

---

---

---

---

---

---

---

---

**Death  
has been defeated;  
therefore,  
we can live  
for God.**

21

---

---

---

---

---

---

---

---



**For if we have been  
planted together in  
the likeness of his death,  
we shall be also *in*  
*the likeness of his* resurrection:  
(Romans 6:5)**

22

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) The Rapture  
Is A Mystery.**
- 2) The Devil  
Can't Hurt Us.**
- 3) Death Has No Sting.**

23

---

---

---

---

---

---

---

---

**55 O death, where *is* thy sting?  
O grave, where *is* thy victory?  
56 The sting of death *is* sin;  
and the strength of sin *is* the law.  
(1 Corinthians 15:55-56)**

24

---

---

---

---

---

---

---

---

**Luke 7:11-16**

**References:**

25

---

---

---

---

---

---

---

---

**9 That if thou shalt confess  
with thy mouth the Lord Jesus,  
and shalt believe in thine heart  
that God hath raised him from  
the dead, thou shalt be saved.**

**10 For with the heart man  
believeth unto righteousness;  
and with the mouth confession  
is made unto salvation.**

**(Romans 10:9-10)**

26

---

---

---

---

---

---

---

---

**For whosoever shall  
call upon the name of the Lord  
shall be saved.**

**(Romans 10:13)**

27

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) **The Rapture**  
**Is A Mystery.**
- 2) **The Devil**  
**Can't Hurt Us.**
- 3) **Death Has** **No Sting.**
- 4) **Be Steadfast**  
**Serving The Lord.**

28

---

---

---

---

---

---

---

---

**Therefore, my beloved brethren,  
be ye stedfast, unmovable,  
always abounding  
in the work of the Lord,  
forasmuch as ye know that your  
labour is not in vain in the Lord.  
(1 Corinthians 15:58)**

29

---

---

---

---

---

---

---

---

**Eternal life doesn't  
just happen;  
it is received through  
an intentional decision,  
confession, and obedience  
to the Word of God.**

30

---

---

---

---

---

---

---

---

**And with great power  
gave the apostles witness of the  
resurrection of the Lord Jesus:  
and great grace  
was upon them all.  
(Acts 4:33)**

31

---

---

---

---

---

---

---

---

**We have been called  
to be living epistles.**

32

---

---

---

---

---

---

---

---

**1 I beseech you therefore,  
brethren, by the mercies of God,  
that ye present your bodies a  
living sacrifice, holy, acceptable  
unto God, *which is your  
reasonable service.*  
2 And be not conformed to this  
world: but be ye transformed by  
the renewing of your mind, that ye  
may prove what is that good, and  
acceptable, and perfect, will of  
God. (Romans 12:1-2)**

---

---

---

---

---

---

---

---

**Be real, be humble,  
be obedient and be true.**

34

---

---

---

---

---

---

---

---

**2 Ye are our epistle written  
in our hearts,  
known and read of all men:  
3 Forasmuch as ye are manifestly  
declared to be the epistle of Christ  
ministered by us, written not  
with ink, but with the Spirit  
of the living God;  
not in tables of stone,  
but in fleshy tables of the heart.  
(2 Corinthians 3:2-3)**

35

---

---

---

---

---

---

---

---

**Living for and  
serving Christ.**

36

---

---

---

---

---

---

---

---

**And shall come forth;  
they that have done good,  
unto the resurrection of life;  
and they that have done evil, unto  
the resurrection of damnation.  
(John 5:29)**

37

---

---

---

---

---

---

---

---

**For all have sinned,  
and come short of  
the glory of God;  
(Romans 3:23)**

38

---

---

---

---

---

---

---

---

**For the wages of sin *is* death;  
but the gift of God *is* eternal life  
through Jesus Christ our Lord.  
(Romans 6:23)**

39

---

---

---

---

---

---

---

---

**Of the doctrine  
of baptisms,  
and of laying on of hands,  
and of resurrection  
of the dead,  
and of eternal judgment.  
(Hebrews 6:2)**

40

---

---

---

---

---

---

---

---

**Today you choose  
how you live and  
where you spend eternity.**

41

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) The Rapture  
Is A Mystery.**
- 2) The Devil  
Can't Hurt Us.**
- 3) Death Has No Sting.**
- 4) Be Steadfast  
Serving The Lord.**

42

---

---

---

---

---

---

---

---

**Death  
has been defeated;  
therefore,  
we can live  
for God.**

43

---

---

---

---

---

---

---

---